८ जनवरी २०२३ - जैनशाळा पेपर - गुण : १०० - समय : ९ से १२

श्रेणी- १

Student Name		Roll No.	
Date of Birth		Mobile No.	
Sangh Name		Supervisor Name	
Jainshala Name		Supervisor's Signature	

Marks

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	Total

प्रश्न.१ (ए) नीचेना पाठनी पूर्ति करो. **(१६)**

१) सक्कारेमि, ..., ..., ..., ..., चेईयं.

(२) ओसा, ..., ..., ..., ..., मक्कडा.

(३) नमो सिध्धाणं, ..., ..., ..., ..., सव्व पाव.

(४) उससिअेणं, ..., ..., ..., ..., उड्डुअेणं.

प्र. १ (बी) खाली जग्यामां योग्य शब्द मुको। **(०४)**

(१) नमस्कार महामंत्रनो प्रथम अक्षर नमो छे जे _____(विनय /विवेक) सूचक छे।

(२) प्रतिक्रमणना ३जा पाठ द्वारा _____आसनमां बेसीने उत्कृष्ट वंदन थाय। (गोदुहिका /पइमासन)

(३) _____ करवाथी उच्च गोत्र कर्मनो बंध थाय अने नीच गोत्र कर्मनो क्षय थाय छे। (वंदना /सामायिक)

(४) भिखारीने तिरस्कारपूर्वक काढी मूकीअे त्यारे _____ नो दोष लागे छे। (संघाइया /अभिहया)

प्र. १ (सी) जोडका जोडो. (०५)

१)	संताणा	१)	इत्यादि
२)	अेवमाइअेहिं	२)	आचार्य भगवंतोने
३)	वंदामि	३)	करोळियानां जाळा
४)	आयरियाणं	४)	छींक आववाथी
५)	छीअेणं	५)	स्तुति अथवा वंदन करुं छुं

(डी) साचो शब्द शोधीने लखो. नीचेना शब्दोनुं मागधी लखो। (०५)

(बगासु आववाथी, जीवनथी, सचेतपाणी, त्रणवार, लोकमां)

१) जीवियाओ _____

२) दग _____

३) तिक्खुतो _____

४) लोअे _____

५) जंभाईअेणं _____

(इ) फक्त नंबर लखो। (०५)

(१) आचार्यजीना गुण

(२) वंदनाना प्रकार

(३) विराधनाना प्रकार

(४) पापस्थानक

(५) कायोत्सर्गना आगार

(एफ) साचा शब्दनी नीचे लाईन करो। (०५)

(१) किलामिया - किलामीया

(२) नीससिअेणं - निससीअेणं

(३) काऊसग्गो - काऊस्सग्गो

(४) सम्माणेमि - समारेमि

(५) उवजयाणं - उवज्झायाणं

प्रश्न २) सामान्य समजणना आधारे। **(१०)**

(ए) खाली जग्यामां नाम के नंबर लखो।

(१) पद्मप्रभ स्वामी _____ भगवान

(२) १९ मां भगवान _____ स्वामी

(३) सुघर्मा स्वामी _____ गणधर

(४) ९ मां गणधर _____

(५) दमयंती _____ सती

(६) १५ मां सती _____

(७) मोहनीय कर्म _____ कर्म

(८) ५ मुं कर्म _____ कर्म

(९) वायुकाय _____ काय

(१०) सुंदरी _____ मां सती

(बी) साचु के खोटु लखो। **(०५)**

१) धर्मनाथ स्वामी आपणा १५ मां भगवान छे। ☐

२) गणधर अे श्रावकना मुख्य शिष्य होय छे। ☐

३) मुहपति पीळा रंगनी होय छे। ☐

४) माळा मुख्यत्वे प्लास्टीकनी होय छे। ☐

५) धार्मिक पुस्तको आपणने सत्यनी समज आपे छे। ☐

(सी) अेक शब्दमां जवाब आपो। **(०५)**

१) पुस्तकने राखवाना साधनने शुं कहेवाय? _____

२) जीवोना समूहने शुं कहेवाय? _____

३) मने चौदपूर्वनुं ज्ञान होय छे? _____

४) माळाना मणका केटला होय छे? _____

५) कयो रंग शांतिनुं प्रतिक छे? _____

प्रश्न ३) संस्कार विभागना आधारे जवाब लखो। **(१५)**

खाली जग्यामां योग्य शब्द भरो।

(आत्मा, जयजिनेन्द्र, उच्चगोत्र, जैनत्व, सम्यक आहार, उत्कृष्ट, विनय, आसक्त, अहंकार, अरिहंत, पर्वत, समूर्च्छिम, अंख्याता, तीर्थ, कवल)

१) _____ बोलवाथी आपणी aura शुध्ध थाय छे।

(२) जयजिनेन्द्र _____ नी ओळखाण छे।

(३) _____ माटे आहारनो विवेक जरुरी छे।

(४) जे आहार मुख द्वारा ग्रहण करीअे तेने _____ आहार कहेवाय छे।

(५) काचां पाणीना अेक टीपांमां _____ जीवो होय छे।

(६) जम्या पछी थाळी धोईने पीवाथी _____ जीवोनी दया पळाय छे।

(७) कृतज्ञ व्यक्ति कोईना करेला नाना उपकारने _____ जेटला मोटा माने छे।

(८) _____ परमात्माअे आपणने सिध्धनी ओळख करावी।

(९) अहिंसा, संयम अने तप रुप धर्म _____ मंगल छे।

(१०) माता-पिता अे _____ स्वरुप छे।

(११) भोजनने ग्रहण करती वखते _____ भाव न राखवो।

(१२) आभ्यंतर तपमां _____ तपनुं स्थान छे।

(१३) विनय करवाथी _____ कर्मनो बंध थाय छे।

(१४) विनयथी _____ तूटी जाय छे।

(१५) उपकारीना उपकार मानवाथी आपणा _____ नी प्रगति थाय छे।

प्रश्न ४) धर्म अने विज्ञानने आधारे जवाब लखो। **(०५)**

साचु के खोटु लखो।

१) प्रभुना ज्ञानना सागर सामे विज्ञान अेक बिंदु समान छे। ☐

२) वनस्पतीमां लागणी अने संवेदना होती नथी। ☐

३) सूर्यास्त पहेलां भोजन करवाथी घणां जीवोनी विराघना थाय छे। ☐

४) शब्द अे पुद्गल छे। ☐

५) विज्ञान बाह्यदृष्टिथी सुखने मूलवे छे। ☐

प्रश्न ५) कथा विभागना आधारे जवाब लखो। **(१०)**

अेक शब्दमां जवाब लखो।

१) नयसार केटला सेवको साथे लाकडां कापवां जंगलमां गया हता? _____

२) सौथी श्रेष्ठ दान कयुं छे? _____

३) मेघरथ राजाअे कोने बचाव्यो? _____

४) मेघरथराजाना पिता तीर्थंकरनुं नाम शुं हतुं? _____

५) कमठ संन्यासी कयुं तप तपतो हतो? _____

६) कमठ तापस मृत्यु पामीने शुं बन्यो? _____

७) नवकारमंत्रना प्रभावथी सर्प शुं बन्यो? _____

८) अनार्य देशमां कोनो जन्म थयो हतो? _____

९) अभयकुमारे मित्रने शुं भेट आपी? _____

१०) अभयकुमारना पितानुं नाम शुं हतुं? _____

प्रश्न. ६) काव्य विभागना आधारे जोडका जोडो। **(१०)**

ए			**बी**
१)	छत्रीस गुणोथी शोभता		१) अेतो ज्ञानदेव छे
२)	विनय धर्मनुं मूळ छे		२) कषायो सामे कदिना हारो
३)	तपधर्मथी शोभता		३) वेरभाव शूळ छे
४)	द्रौपदीजी कहे छे सौने		४) आचार्य देव छे
५)	स्वाध्याय करावता		५) धन्नाजी सवाया छे
६)	क्षमा मैत्रीनुं मूळ छे		६) अविनय शूळ छे
७)	नागश्री कहे सौने		७) शंका करी किल्वीषी बनाय ना
८)	अहिंसा, सत्यने जीवनमां उतारो		८) अर्जुनमाळी सहुमां सवाया छे
९)	क्षमा गुणथी शोभता		९) कपट करी संसार वधाराय ना
१०)	जमालीजी कहे छे सौने		१०) महेणा मारी महाभारत रचाय ना